अकेले शिक्षक ने बदली स्कूल की तस्वीर

करनाल, (ममो): मुख्यमंत्री स्कूल सुंदरीकरण प्रोत्साहन योजना के तहत 2020-21 में करनाल ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक पाठशाला नबीपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सरकारी स्कूल खूबसूरती में किसी भी बड़े स्कूल को मात दे सकते हैं, यह बात नबीपुर की प्राथमिक पाठशाला ने साबित करके दिखा दिया है। स्कूल के मुखिया मास्टर दलीप सिंह की कड़ी मेहनत रंग लाई है। गत वर्ष लॉकडाउन के दौरान विद्यालय में रहकर मास्टर दलीप ने विद्यालय की सूरत बदल डाली।

पशुओं को बीमारी से बचाने के लिए टीका लगवाएं

करनाल, (ममो): गर्मी के मौसम में पशुओं में मुंह - खुर व गलघोंटू आदि बीमारियों का होना आम बात है। इसलिए पशुपालन व्यवसाय से जुड़े किसान इससे बचाव के लिए अपने दुधारू पशुओं को इसका टीका अवश्य लगवाएं। अप्रैल और मई का महीना पशुओं के टीकाकरण का सबसे उपयुक्त समय है। इसके साथ ही उनके चारे में भी थोड़ा बदलाव करना जरूरी है। गर्मी आते ही हरे चारे की कमी हो जाती है। ऐसी स्थिति में उनके चारे में दनीर या दाने की मात्रा बढ़ानी चाहिए। दाने में गेहूं और जौ की मात्रा बढ़ाना आवश्यक है। हरे चारे में मक्का लोबिया या ज्वार लोबिया को शामिल करना चाहिए। उक्त जानकारी करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बृजेश मीणा ने दी।

22 कर्मचारियों को हटाने के विरोध में प्रदर्शन

करनाल, (ममो) हरियाणा के तमाम सरकारी विभागों में ठेकेदारों की तानाशाही सामने आ रही है। कर्मचारियों को प्रताड़ित करने और नया ठेकेदार आते ही पुराने कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। करनाल के मार्केट कमेटी कार्यालय में कार्यरत 22 सफाई कर्मचारियों के साथ भी ऐसा ही अन्याय हुआ। इस विरोध में जिला सचिवालय के सामने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन ने धरना दे रखा है। गुरुवार को धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान ऋषिपाल शाहपुर ने करते हुए कहा कि सरकार कर्मचारियों के सब्र का इम्तिहान लेना बंद करे। सभी कर्मचारियों को नौकरी पर वापस ले। मार्केट कमेटी सचिव और ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही हो।

वेतन न मिलने पर कर्मचारियों का प्रदर्शन

करनाल, (ममो) नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को वेतन समय पर नहीं मिलता। हर माह अधिकारियों की लापरवाही के कारण वेतन आवंटन में देरी होती है। गुरुवार को अपना विरोध दर्ज करवाने के लिए कर्मचारियों ने नगरपालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले झाड़ू उठाओ अधिकारी जगाओ प्रदर्शन किया। नगर निगम कार्यालय से कमेटी चौक तक प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों की अगुवाई इकाई प्रधान राम सिंह ने की। प्रदेश सचिव शारदा व जिला प्रधान वीरभान बिडलान ने कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हर महीने अधिकारी कर्मचारियों को वेतन समय पर नहीं देते। अगर कर्मचारी 10 मिनट पर भी डयूटी पर लेट हो जाए तो उसकी गैर हाजिरी लगा दी जाती है।

मास्क न पहनने वालों के चालान के लिए 10 टीमें उतरीं

करनाल, (ममो): नगर निगम आयुक्त विक्रम ने कोरोना की दूसरी लहर और इसके केसों की संख्या में प्रतिदिन बढ़ोतरी को देखते मास्क ना पहनने वाले व्यक्तियों के चालान करने के लिए निगम के संयुक्त आयुक्त गगनदीप सिंह की अध्यक्षता में 10 टीमो का गठन किया है। चालान के लिए प्रत्येक टीम को 2-2 वार्ड सौंपे गए हैं।

निगम आयुक्त ने बताया कि चालान के लिए नगर निगम की इंजीनियरिंग विंग के तमाम अभियंताओं तथा सफाई शाखा के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो रोजाना फील्ड में जाएंगे और मास्क ना पहनने वाले व्यक्तियों के चालान करेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक टीम के साथ एक-एक होमगार्ड की ड्यूटी भी लगाई गई है। निगमायुक्त विक्रम ने बताया कि मास्क लगाने व सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए शहर वासियों को रोजाना जागरूक किया जा रहा है, फिर भी कई लोग मास्क नहीं लगा रहे, जिससे कोरोना के संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि करनाल शहर में अब तो संक्रमितों की संख्या हजारों में हो गई है, जो कि शहर के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि हमे इससे बचना है, इसके लिए जरूरी है कि हम जरूरी काम होने पर ही घर से निकलें और निकलते वक्त मास्क अवश्य पहनें। उन्होंने कहा कि भीड़ वाले स्थानों से हमें बचना चाहिए और सामाजिक दूरी बनाकर ही चलना चाहिए।

खट्टर नहीं, डीसी के दावों के भरोसे है करनाल, अस्पतालों में अफरातफरी का आलम

करनाल, (जेके शर्मा) शहर में कोरोना रोगियों को बचाने के लिए पर्याप्त सुविधाएं न मिलने से जनता में नाराजगी है। आक्सीजन व अन्य जरूरी सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार की आलोचना हो रही है। करनाल में रोजाना कोरोना रोगियों की संख्या और मृतकों के आंकड़े में वृद्धि हो रही है। इसके उलट करनाल के डीसी तमाम तरह के दावे अस्पतालों में बेड और सुविधाओं को लेकर कर रहे हैं। लेकिन जब पत्रकार उन अस्पतालों में मुआयना करने जाते हैं तो उन्हें वहां सारी सुविधाएं नदारद मिलती हैं। अस्पतालों में अफरातफरी का आलम नजर आता है।

उपायुक्त निशांत यादव ने बताया कि कोरोना के इलाज के लिए कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त 10 प्राइवेट अस्पतालों को अधिकृत किया गया है।

जिले में 353 आक्सीजन सहित नॉन एसी बेड और 211 भरे हुए हैं तथा 142 बेड खाली हैं जबकि आक्सीजन सहित आईसीयू बैड 112 हैं, 109 बेड भरे हुए हैं तथा 3 बेड खाली हैं, आने वाले दिनों में इन्हें और बढ़ाया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि बुधवार तक जिले के केसीजीएमसी आक्सीजन के साथ नॉन एसी 210 बेड हैं जिनमें से 90 भरे हुए हैं और 120 खाली हैं। इसी प्रकार केसीजीएमसी में ही आक्सीजन के साथ 40 बेड हैं जो कि सभी भरे हुए हैं। पार्क अस्पताल में आक्सीजन सहित आईसीयू में 25 बेड हैं जो कि भरे हुए हैं, डा. ज्ञान भूषण नर्सिंग होम में नॉन एसी 6 बेड उपलब्ध हैं, जिनमें 1 खाली है। अमृतधारा अस्पताल चौड़ा बाजार में 34 बेड हैं जिनमें से 33 भरे हुए हैं और 1 खाली हैं तथा आक्सीजन सहित आईसीयू बेड 22 हैं जो कि भरे हुए हैं।

विर्क अस्पताल में नॉन एसी 31 बेड उपलब्ध हैं जो भरे हुए हैं, आईसीयू बेड 4 हैं जिनमें से 1 खाली है। इसी प्रकार संजीव बंसल सिग्रस अस्पताल में नॉन एसी 20 बेड हैं ,जो भरे हुए है, आईसीयू बेड 5 हैं सभी भरे हुए हैं।

बारदाना न होने से मंडी में जाम, किसान व आढ़ती परेशान

इंद्री, (जेके शर्मा) इंद्री की अनाज मंडी में बारदाना न मिलने की वजह से किसान परेशान है। किसानों का गेहूं खुले में सड़कों पर पड़ा है। मंडी में दो दिन के बाद सोमवार को खरीद का कार्य शुरू हुआ तो बारदाना की वजह से डीएफसी विभाग के अधिकारियों ने बारदाना न होने की बात कहकर गेहूं की बोली करने से मना कर दिया है। इस बात को लेकर किसान व आढ़तियों में काफी रोष पनप रहा है। मंडी में गेहूं डालने की भी जगह नहीं है, जिससे की मंडी में पूरी तरह जाम लग गया है।

मंडी एसोसिएशन के प्रधान सतपाल बैरागी ने बताया कि मंडी में बारदाना की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया गया है लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया। अनाज मंडी में 2 दिन से खरीद बंद की गई थी ताकि बारदाना आढ़तियों को मिल सके और लिफ्टिंग का कार्य सुचारू रूप से चल सके और किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े। उन्होंने बताया कि यह समस्या अभी भी बनी हुई है। अगर इस समस्या का समाधान जल्दी नहीं हुआ तो आढ़ती एसोसिएशन व किसान सड? जाम करने पर विवश होंगे।

इंद्री के एसडीएम सुमित सिहाग ने कहा कि आढ़तियों द्वारा बारदाना की समस्या का मामला मेरे संज्ञान में आया है। डीएफएससी विभाग को आदेश दिए गए हैं कि आढ़तियों को बारदाना व खरीद का कार्य तुरंत प्रभाव से शुरू कर दें अन्यथा प्रशासन की तरफ से विभाग के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने बताया कि आढ़तियों व किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े उसके लिए प्रशासन हर समय तैयार है।

वह मंडी में समय-समय पर जांच करके यह जानकारी जुटाई जा रही है कि किसानों व आढ़तियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

संपत्ति क्षतिपूर्ति कानून के विरोध में उतरे कर्मचारी और किसान संगठन, किया प्रदर्शन

करनाल, (जेके शर्मा) कर्मचारी और किसान संगठनों ने संपत्ति क्षति पूर्ति कानून हरियाणा 2021 को निरस्त करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जिला सचिवालय में डीआरओ को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इससे पहले फव्वारा पार्क में सभा की गई। सम्पत्ति क्षति पूर्ति कानून की खामियों पर चर्चा करने के बाद कहा गया कि यह कानून किसी भी सूरत में देश हित में नहीं है। इस कानून द्वारा पुलिस व कार्यपालिका को असीमित शक्ति प्रदान कर दी गई है, इसलिए यह लोकतंत्र पर कुठाराघात है और अभिव्यक्ति के अधिकार का हनन करता है। अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन, सर्व कर्मचारी संघ, सीटू, अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान सभा, भारतीय खेत मजदूर यूनियन, जनवादी महिला समिति, ज्ञान विज्ञान समिति व रिटायर्ड कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि संपत्ति क्षति के संबंध में पहले से ही भारतीय दंड संहिता में व्याप्त धाराएं मौजूद हैं, इसलिए नए कानून की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच महीने से चल रहा किसान आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्वक है और इस दौरान किसी भी प्रकार की संपत्ति को क्षति पहुंचाए जाने की कोई घटना नहीं हुई है। अलबत्ता राज्य सरकार द्वारा सडकों को खोदने के मामले सर्वविदित है।

इस अवसर पर शीशपाल, जगमाल सिंह, जगपाल राणा, सुशील गुर्जर, जोगा सिंह, कृष्ण शर्मा, सुदेश, कुलदीप राणा, बीर सिंह लाठर, रीना, रणजीत, सियानंद परोचा, वाईपी यादव, राममेहर, जरासा व पार्वती तनेजा आदि मौजूद रहे।

जवाब देना नहीं, विपक्ष पर बरसना ज़रूर है

करनाल, (ममो) जनता की समस्याओं को लेकर भाजपा नेता खुद जवाब देने की बजाय उल्टा विपक्षी दलों पर ही आरोप लगाने लगे हैं। अब करनाल के इसी भाजपा नेता को देखिए। भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष जगमोहन आनंद ने कहा कि कांग्रेस नेता जनता को झूठ बोलकर बहकाने का काम कर रहे हैं। जनता कांग्रेस की सच्चाई जानती है। इस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। हरियाणा सरकार हर जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मेडिकल कॉलेज खोलने जा रही है। लोग इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कांग्रेस अपने राज में लोगों को सपने दिखाती रही और खुद का ही भला करती रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जनता की भलाई के लिए अनेकों हितकारी निर्णय लिए हैं। आज से 7 साल पहले प्रदेश का जो बुरा हाल था वह सबने देखा है।